>

Title: Alleged atrocities against Scheduled Tribes in Goa due to wrong policies of the State Government.

श्री श्रीपाद येसो नाईक (उत्तर गोवा): सभापति महोदय, गोवा सरकार की गलत नीतियों के कारण प्रदेश में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों पर हो रहे अत्याचार से उत्पन्न गंभीर स्थिति के बारे में मैं सदन को बताना चाहता हूं। गोवा में 12 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं। श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय उन्हें अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्राप्त हुआ था। आठ साल से अनुसूचित जनजाति के संगठन, जिसका नाम यूनाइटेड ट्राइबल एसोसिएशन है, अपने अधिकारों के खातिर हर दिन लड़ रहा था। गोवा की सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। संविधान ने उन्हें जो अधिकार दिए हैं, इसके लिए उन्होंने विधानसभा पर धरना और जनसभा सब कुछ करके राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट किया, लेकिन राज्य सरकार ने उनकी बात नहीं सुनी। इसी आंदोलन के तहत ऊटा ने उनकी मांग मनवाने के लिए डेड लाइन भी दी थी, लेकिन राज्य सरकार ने कुछ नहीं किया। इसके बाद ऊटा ने अपना आंदोलन तीव्र कर लिया। गोवा के अनुसूचित जनजाति के लोग इकट्ठा हो गए। उन्होंने राज्य सरकार को दस दिनों की मोहलत दी और नोटिस दे कर कहा कि अगर दस दिनों में हमारी मांगें पूरी नहीं हुई, तो हम रास्ता रोको बड़ा आंदोलन करेंगे। दसवें दिन 25 मई, 2011 को ऊटा ने रास्ता रोको आंदोलन किया। शांति से आंदोलन चल रहा था और कोई भी दुर्घटना नहीं घटी थी। जिला अधिकारी के जरिए सरकार के साथ बातचीत हो रही थी और सरकार ने उनकी मांगें पूरी करने का आश्वासन दे दिया था। उनमें से 90 प्रतिशत लोग जब अपने घर वापस जा रहे थे, तब उन पर सरकार की ओर से लाठीचार्ज किया गया, जिसका कोई कारण नहीं था। इस लाठीचार्ज में बहुत से कार्यकर्ता घायल हो गए और राज्य सरकार ने उस जिलाधिकारी को सस्पैंड कर दिया। उसी समय ...* ऊटा के अध्यक्ष के दो स्टोरेज फैक्टरियां थीं, उनको आग लगा दी। जिसमें लाखों रुपए का काजू पड़ा हुआ था। उसको आग लगा दी गयी। इसके पहले उसी वक्त ... * ने एक विधायक को घेर लिया और उसे आग में डालने का प्रयास किया।

MR. CHAIRMAN : You cannot make any allegation against anybody. No. That is not allowed. If there is any allegation, it will not go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री श्रीपाद येसो नाईक : इसके बाद कई पत्रकारों ने उन्हें बचा लिया, इसलिए वे बच गए। उसके बाद दो कार्यकर्त्ताओं को जिंदा आग में जला दिया। यह तो घटना है। मैं असत्य नहीं बोल रहा हूं।

MR. CHAIRMAN: No. I am not allowing that.

*(Interruptions) â€¦ *

श्री श्रीपाद येसो नाईक : ऐसा होते हुए भी मैं मांग करता हूं कि यह जो घटनाएं बढ़ी हैं, इसमें आपके माध्यम से दरख्वास्त करता हूं कि इसकी जांच करें और उनकी जो जायज मांगे हैं, इन्हें जो संविधान प्रदत्त अधिकार हैं, उसे पूरा करने के लिए बाध्य हो। यही मेरी विनती है।

SHRI ARJUN RAM MEGHWAL (BIKANER): I want to associate with this issue.

MR. CHAIRMAN: Yes. You are allowed.